डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

30 मार्च 2019

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य असीत राई के प्रति श्रद्धांजलि

श्रेष्ठ नेपाली कथाकार, कवि, साहित्येतिहासकार और आलोचक असीत राई का निधन 29 मार्च 2019 को हो गया। उनके उन्नीस उपन्यास, पाँच कहानी–संग्रह, चार कविता–संग्रह, आलोचना और साहित्येतिहास की चार पुस्तकें तथा पाँच अन्य पुस्तकें प्रकाशित हैं।

असीत राई का जन्म 24 नवंबर 1940 को पश्चिम बंगाल दार्जीलिङ जिला के खरसाङ स्थित महानदी गाँव में हुआ था। उन्होंने उत्तर बंग विश्वविद्यालय से नेपाली भाषा और साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। वे पेशे से शिक्षक थे और समर्पित भाव से अपना कार्य किया। असीत राई एक बहुप्रातिभ लेखक रहे हैं, जिन्होंने साहित्य की प्रायः सभी विधाओं में लेखन किया। लेकिन वे मुख्यतः एक उपन्यासकार रहे हैं। उनके उल्लेखनीय उपन्यासों में *त्यो हिमाल : यो जीवन, दृष्टिहीन दृष्टी, जिन्दगीको संघर्ष : अस्तित्वको खोज, प्रेमको अर्को रूप, पहिरो जाने पहाड़ यो, भोक र भोग, नया क्षितिजको खोज, विन्हरीको खोज* और *चक्रव्यूहका अभिमन्युहरु* शामिल हैं। असीत राई की कहानियों का पहला संग्रह *बसंतराग* 1963 में प्रकाशित हुआ था। कथाविधा के क्षेत्र में नई राह तलाशने के उनके प्रयत्न को अन्य कहानी संग्रहों *अरुले नचिनेको म, अमूल्य पुरस्कार, संत्रस्त जिजीविषा और समय पीड़ा* में देखा जा सकता है। उनकी कविताओं के भी चार संग्रह प्रकाशित हुए – *ऑक्टोपस, आफूलाई केही पर उभ्याएर हेर्दा, शताब्दी संबोधन* और *जीवन प्रतिरूप म मो।* उनकी कृतियों में एक व्यंग्य नाटक *मेरो भारत महान* और एकांकी–संग्रह *एकांती यात्रा* भी शामिल हैं। असीत राई नेपाली साहित्य के प्रारंभिक इतिहासकारों में से एक रहे हैं। *भारतीय नेपाली साहित्यको विकासक्रम* उनकी पहली साहित्येतिहास कृति है। साहित्य अकादेमी की 'राइटर इन रेजिडेंस' योजना के अंतर्गत भी उन्होंने *भारतीय नेपाली साहित्यको सर्वेक्षण र अध्ययन* नामक पुस्तक तैयार की। इसके अतिरिक्त उनकी एक अन्य पुस्तक *नेपाली साहित्यको इतिहास 'परिचय'* प्रकाशित हुई। उनकी बाल कविताओं का संग्रह *गाउँ र नचाउँ* 2013 में प्रकाशित हुआ। उनकी अनेक रचनाएँ विभिन्न पाठ्यक्रमों में शामिल हैं तथा उनकी कृतियों पर अनेक शोध कार्य हुए हैं।

असीत राई विभिन्न साहित्यिक एवं शैक्षिक संस्थाओं से संबद्ध रहे, जिनमें नेपाली अकादमी, दार्जीलिङ, पाठ्यक्रम समिति, डीजीएचसी, दार्जीलिङ, नेपाली भाषा परामर्श मंडल, साहित्य अकादेमी, शिव कुमार राई अकादमी, दार्जीलिङ और प्राथमिक पाठ्य पुस्तकों के लिए राज्य शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् आदि। असीत राई को कई महत्त्वपूर्ण पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख हैं – राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, शिक्षकों के लिए आजीवन उपलब्धि पुरस्कार, साहित्य अकादेमी पुरस्कार, रत्नश्री स्वर्ण पदक तथा सुभद्रा कुमार चौहान शताब्दी सम्मान आदि। असीत राई को वर्ष 2014 में साहित्य अकोदमी के सर्वोच्च सम्मान महत्तर सदस्यता से अलंकृत किया गया था।

प्रगतिवादी, यथार्थवादी और अस्तित्ववादी लेखक असीत राई के निधन से भारतीय साहित्य जगत् को बड़ी क्षति हुई है। साहित्य अकादेमी परिवार असीत राई के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in